

تفسیر کا سلیبس

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|------------------------------------|---------|------|--------------------------------------|-------|------|
| Parah's 1-10 | | | | | |
| انبیاء کا انکار | 91-85 | 1. | فتر آن کی عظمت، متقین کی صفات | 7-1 | 1. |
| جبرائیل سے دشمنی | 98-92 | 2. | منافقین کی پہچان | 14-8 | 2. |
| حد اور حباد کا ذکر | 105-99 | 3. | ہدایت و گمراہی کی مثالیں | 21-15 | 3. |
| احکام کی تبدیلی، احلاص | 112-106 | 4. | اللہ کی قدرت کی نشانیاں | 28-22 | 4. |
| اہل کتاب کے اختلافات | 119-113 | 5. | حضرت آدمؑ کی تخلیق | 35-29 | 5. |
| قبلہ کا بیان، حضرت ابراہیمؑ کی دعا | 126-120 | 6. | شیطان کا دھوکہ، بنی اسرائیل کو نصیحت | 42-36 | 6. |
| حنانہ کعب کی تعمیر | 133-127 | 7. | بنی اسرائیل کو احکامات | 49-43 | 7. |
| ملت ابراہیمی | 140-134 | 8. | فراعون سے نجات، بچھڑے کی عبادت | 56-50 | 8. |
| قبلہ کی تبدیلی کا حکم | 148-141 | 9. | نعمتیں اور عہد شکنی | 63-57 | 9. |
| | | 10. | گائے کا واقعہ (بسترہ) | 70-64 | 10. |
| | | 11. | ہیٹ دھرمی اور تحریف | 77-71 | 11. |
| | | 12. | کتاب میں تبدیلی اور وعدے | 84-78 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--------------------------|---------|------|------------------------------|---------|------|
| Parah's 2 | | | | | |
| آزمائش اور قتال | 216-211 | 1. | قبلہ کی تبدیلی | 148-142 | 1. |
| حسرت والے مہینے اور نکاح | 221-217 | 2. | ذکر و شکر کا حکم | 152-149 | 2. |
| عائلی مسائل | 227-222 | 3. | صبر اور شہداء کی فضیلت | 157-153 | 3. |
| طلاق کے احکام | 235-228 | 4. | صفا مسرورہ اور توحید | 162-158 | 4. |
| عدت اور حقوق | 242-236 | 5. | اللہ کی وحدانیت | 167-163 | 5. |
| طالوت کا واقعہ | 248-243 | 6. | حلال و حرام اور کتمان حق | 176-168 | 6. |
| حالات سے معتادہ | 252-249 | 7. | نیکی کی حقیقت اور قصاص | 182-177 | 7. |
| حسلا و دہرائی | — | 8. | روزے کے احکام | 187-183 | 8. |
| سرکزی پیغام کی نشست | — | 9. | مالی دیانت اور چاند کے احکام | 189-188 | 9. |
| | | 10. | جہاد اور حج کے مسائل | 196-190 | 10. |
| | | 11. | آدابِ حج | 203-197 | 11. |
| | | 12. | منفقین کی پہچان | 210-204 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|----------------------|-------|------|--------------------------------|-------|------|
| Parah's 3 | | | | | |
| کفر کا انجہام | | 13. | فتر آن کی حقانیت اور توحید | 6-1 | 1. |
| حناصہ و دہرائی | | 14. | محکم و میثاب آیات | 13-7 | 2. |
| مرکزی نکات کی نشست | | 15. | دنیا کی محبت اور اللہ کی گواہی | 18-14 | 3. |
| منتخب آیات کی تکرار | | 16. | دین اسلام کی حقانیت | 25-19 | 4. |
| اہم موضوعات کی وضاحت | | 17. | اقتدار اللہ کے ہاتھ میں | 32-26 | 5. |
| سوال و جواب نشست | | 18. | حضرت مریم کا واقعہ | 41-33 | 6. |
| مکمل سپارے کی دہرائی | | 19. | حضرت عیسیٰ کی بشارت | 51-42 | 7. |
| مرکزی پیغام کی وضاحت | | 20. | حواریوں کا ایمان | 58-52 | 8. |
| امتحانی تیاری نشست | | 21. | واقعہ مباہلہ | 63-59 | 9. |
| | | 22. | اہل کتاب کو دعوت | 71-64 | 10. |
| | | 23. | تحریف اور عنایتِ عہت مند | 80-72 | 11. |
| | | 24. | انبیاء سے عہد | 85-81 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|------------------------|---------|------|-------------------------------|---------|------|
| Parah's 4 | | | | | |
| شہداء کا مقام | 171-166 | 1. | انفاق اور حج کی مندرضیت | 97-92 | 1. |
| ایمان والوں کی استقامت | 175-172 | 2. | اہل کتاب کی سازشیں | 101-98 | 2. |
| دنیا کی مہلت | 180-176 | 3. | اتحاد امت اور تفرقہ سے بچنا | 109-102 | 3. |
| انبیاء کی تکذیب | 184-181 | 4. | امت مسلمہ کی فضیلت | 115-110 | 4. |
| موت اور آخرت | 189-185 | 5. | کفار کی عداوت | 120-116 | 5. |
| آیت کونیہ اور دعا | 194-190 | 6. | غزوہ احد کا آغاز | 129-121 | 6. |
| صبر، رباط اور کامیابی | 200-195 | 7. | سود کی ممانعت اور جنت کی صفات | 136-130 | 7. |
| حلاصہ و دہرائی | — | 8. | آزمائش اور شہادت | 143-137 | 8. |
| سرکزی پیغام کی نشست | — | 9. | رسول کی اطاعت اور صبر | 148-144 | 9. |
| | | 10. | نامرمانی کے نتائج | 155-149 | 10. |
| | | 11. | توکل علی اللہ | 160-156 | 11. |
| | | 12. | شکست کے اسباب | 165-161 | 12. |

| TOPIC | ĀAYAT | DAYS | TOPIC | ĀAYAT | DAYS |
|----------------------------|---------|------|----------------------------|-------|------|
| Parah's 5 | | | | | |
| اطاعت کا احبر | 70-66 | 1. | تقویٰ اور یتیموں کے حقوق | 7-1 | 1. |
| جہاد کی ترغیب | 76-71 | 2. | وراثت کے احکام | 14-8 | 2. |
| کمزوری اور منافقین | 83-77 | 3. | حدود اور توبہ | 18-15 | 3. |
| قتال کے اصول | 91-84 | 4. | نکاح اور محرمات | 25-19 | 4. |
| قتلِ خطا اور ہجرت | 100-92 | 5. | کبیرہ گناہ | 31-26 | 5. |
| نمازِ قصر اور جہاد | 104-101 | 6. | عائلی اصلاح اور صلح | 35-32 | 6. |
| عدل اور خیانت کی مذمت | 115-105 | 7. | حقوق العباد اور عدل | 42-36 | 7. |
| شرک کی مذمت اور عدل | 134-116 | 8. | نماز اور طہارت | 46-43 | 8. |
| انصاف اور منافقین کا انجام | 147-135 | 9. | اہل کتاب کا ذکر | 52-47 | 9. |
| | | 10. | حد اور وعدہ جنت | 57-53 | 10. |
| | | 11. | امانت اور اطاعتِ رسول | 59-58 | 11. |
| | | 12. | فیصلے میں اللہ کی طرف رجوع | 65-60 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|---------------------------|------------------|------|-------------------------------|--------------------|------|
| Parah's 6 | | | | | |
| تحریر اور تورات و انجیل | المائدہ 47-41 | 1. | برائی کے اظہار کی ممانعت | النساء 152-148 | 1. |
| شریعت اور عدل | المائدہ 50-48 | 2. | اہل کتاب کی نامہرمانیاں | النساء 162-153 | 2. |
| دوستی اور وفاداری کے اصول | المائدہ 56-51 | 3. | وحی اور رسالت | النساء 170-163 | 3. |
| دین کا مذاق اڑانے والے | المائدہ 63-57 | 4. | حضرت عیسیٰ کے بارے میں اعتدال | النساء 171 176- | 4. |
| یہود کی سرکشی | المائدہ 71-64 | 5. | عہد کی پابندی اور حلال جانور | المائدہ 5-1 | 5. |
| عقیدہ تشلیث کی تردید | المائدہ 77-72 | 6. | وضو اور اللہ کی نعمت | المائدہ 11-6 | 6. |
| نامہرمانی کے نتائج | المائدہ 81-78 | 7. | بنی اسرائیل سے عہد | المائدہ 14-12 | 7. |
| خلاصہ و دہرائی | — | 8. | اہل کتاب کو دعوت | المائدہ 19-15 | 8. |
| سرکزی پیغام کی نشست | — | 9. | حضرت موسیٰ اور قوم کا انکار | المائدہ 26-20 | 9. |
| | | 10. | ہابیل اور متاہیل کا واقعہ | المائدہ | 10. |

| | | | | | |
|--|--|-----|--------------|------------------|-----|
| | | | | 31-27 | |
| | | 11. | قتل کی سنگین | المائدہ 37-32 | 11. |
| | | 12. | چوری کی سزا | المائدہ 40-38 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|---|--------------------|------|------------------------------------|--------------------|------|
| Parah's 7 | | | | | |
| حضرت ابراہیمؑ کا استدلال | الانعام 80-71 | 1. | نصاریٰ میں نرمی، قسموں کے احکام | المائدہ 89-82 | 1. |
| انبیاء کا ذکر | الانعام 90-81 | 2. | شراب و جوا کی حرمت، احرام | المائدہ 96-90 | 2. |
| شُرک کی تردید | الانعام 100-91 | 3. | بیت اللہ کی حرمت اور سوالات سے منع | المائدہ 105-97 | 3. |
| تخلیق کی نشانیاں | الانعام 105-101 | 4. | وصیت اور ماندہ کا مطالبہ | المائدہ 113-106 | 4. |
| انکار کرنے والوں کا حال | الانعام 110-106 | 5. | حضرت عیسیٰؑ سے سوال | المائدہ 120-114 | 5. |
| دہرائی و خلاصہ (یہاں آپ کے 144 دن مکمل ہو گئے!) | — | 6. | توحید اور منکرین کا رد | الانعام 10-1 | 6. |

| | | | | | |
|-----|---------------------------|------------------|-----|---------------------|---|
| 7. | رسولوں کی تکذیب | الانعام 20-11 | 7. | منتخب آیات کی تکرار | — |
| 8. | قیامت کا انکار اور انجہام | الانعام 30-21 | 8. | اہم نکات کی وضاحت | — |
| 9. | خسارہ اور دعا | الانعام 40-31 | 9. | سرکزی پیغام کی نشست | — |
| 10. | مصیبت میں رجوع | الانعام 50-41 | 10. | | |
| 11. | فترآن کی نصیحت | الانعام 60-51 | 11. | | |
| 12. | اللہ کی قدرت کاملہ | الانعام 70-61 | 12. | | |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|----------------------|------------------|------|-------------------------|--------------------|------|
| Parah's 8 | | | | | |
| جنت و جسم کامل | الأعراف 44-40 | 1. | ضد اور ہدایت | الانعام 118-111 | 1. |
| اہل ضلالت کا انجہام | الأعراف 53-45 | 2. | حلال و حرام اور شرح صدر | الانعام 125-119 | 2. |
| تخلیق کائنات اور دعا | الأعراف 58-54 | 3. | سیدھا راستہ اور انجہام | الانعام 135-126 | 3. |

| | | | | | |
|---------------------|------------------|-----|---------------------------|--------------------|-----|
| حضرت نوحؑ | الأعراف 64-59 | 4. | مشرکین کی بدعات | الانعام 144-136 | 4. |
| حضرت ہودؑ | الأعراف 72-65 | 5. | حرام چیزوں کی وضاحت | الانعام 153-145 | 5. |
| حضرت صالحؑ | الأعراف 79-73 | 6. | حضرت موسیٰ اور احبرِ آخرت | الانعام 160-154 | 6. |
| حضرت لوطؑ | الأعراف 84-80 | 7. | دینِ مستقیم اور خلافت | الانعام 165-161 | 7. |
| حضرت شعیبؑ | الأعراف 87-85 | 8. | وحی اور قیامت | الأعراف 9-1 | 8. |
| خلاصہ و مرکزی پیغام | — | 9. | حضرت آدمؑ اور ابلیس | الأعراف 18-10 | 9. |
| | | 10. | جنت سے نزول | الأعراف 25-19 | 10. |
| | | 11. | لباسِ تقویٰ | الأعراف 32-26 | 11. |
| | | 12. | حرام کام اور انجہام | الأعراف 39-33 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--------------------------|--------------------|------|-------------------------|--------------------|------|
| Parah's 9 | | | | | |
| فترآن کی پیروی | الأعراف 206-197 | 1. | حضرت شعیبؑ کی قوم | الأعراف 96-88 | 1. |
| غزوة بدر کا آغاز | الأنفال 8-1 | 2. | بستیوں کا انجام | الأعراف 102-97 | 2. |
| فترشتوں کی مدد | الأنفال 14-9 | 3. | حضرت موسیٰؑ کی بعثت | الأعراف 110-103 | 3. |
| میدان جنگ کے احکام | الأنفال 19-15 | 4. | عباد گروں کا ایمان | الأعراف 122-111 | 4. |
| اطاعت اور امانت | الأنفال 28-20 | 5. | فترعون کا ظلم اور نجات | الأعراف 137-123 | 5. |
| تقویٰ اور کفار کی سازشیں | الأنفال 34-29 | 6. | بچھڑے کی گمراہی | الأعراف 147-138 | 6. |
| بیت اللہ اور کفار | الأنفال 40-35 | 7. | توبہ اور رحمت | الأعراف 156-148 | 7. |
| خلاصہ و دہرائی | — | 8. | نبی آحمر الزماں کی صفات | الأعراف 162-157 | 8. |
| سرکزی پیغام کی نشست | — | 9. | سبت والوں کا واقعہ | الأعراف 171-163 | 9. |

| | | | | | |
|--|--|-----|-------------------------|--------------------|-----|
| | | 10. | عہد الست اور اسماء حسنی | الأعراف 180-172 | 10. |
| | | 11. | ہدایت اور علم غیب | الأعراف 188-181 | 11. |
| | | 12. | شرک کی تردید | الأعراف 196-189 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|----------------------|-----------------|------|---------------------------|------------------|------|
| Parah's 10 | | | | | |
| منفقین کی علامات | التوبہ 59-50 | 1. | مال غنیمت اور اطاعت | الانفال 46-41 | 1. |
| زکوٰۃ کے مصارف | التوبہ 66-60 | 2. | تکبر کا انجہام | الانفال 54-47 | 2. |
| مومن و منافق کا مشرق | التوبہ 72-67 | 3. | بدترین لوگ اور صلح | الانفال 63-55 | 3. |
| سختی اور دعا | التوبہ 80-73 | 4. | نصرت الہی | الانفال 69-64 | 4. |
| پیچھے رہنے والے | التوبہ 86-81 | 5. | قیدیوں کے احکام اور مجتہد | الانفال 75-70 | 5. |
| معذورین کا بیان | التوبہ 92-87 | 6. | براءت کا اعلان | التوبہ 7-1 | 6. |

| | | | | | |
|----------------------|---|-----|--------------------------|-----------------|-----|
| منتخب آیات کی دہرائی | — | 7. | عہد شکنی اور قتال | التوبہ 16-8 | 7. |
| اہم نکات کی وضاحت | — | 8. | مسجد حرام اور محبت الہی | التوبہ 24-17 | 8. |
| مرکزی پیغام کی نشست | — | 9. | غزوہٴ حسنین اور اہل کتاب | التوبہ 29-25 | 9. |
| | | 10. | باطل عفت اند کی تردید | التوبہ 37-30 | 10. |
| | | 11. | جہاد کی ترغیب | التوبہ 41-38 | 11. |
| | | 12. | منفقین کے بہانے | التوبہ 49-42 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|----------------------------|---------------|------|------------------------------|-------------------|------|
| Parah's 11-20 | | | | | |
| علم الہی اور انجیام | یونس 70-61 | 1. | منفقین کی سزا اور دیہاتی لوگ | التوبہ 99-93 | 1. |
| حضرت نوح اور موسیٰ کا بیان | یونس 82-71 | 2. | سابقوں الاولون اور توبہ | التوبہ 106-100 | 2. |
| فسر عون کا انجیام | یونس 92-83 | 3. | مسجدِ ضرار اور سچی بیعت | التوبہ 112-107 | 3. |

| | | | | | |
|----------------------|-----------------|-----|--------------------------------|-------------------|-----|
| نجاتِ بنی اسرائیل | یونس 103-93 | 4. | توبہ اور اخلاص | التوبہ 118-113 | 4. |
| صبر اور توکل | یونس 109-104 | 5. | تقویٰ اور جہاد | التوبہ 123-119 | 5. |
| استقامت اور توحید | ہود 5-1 | 6. | ایمان میں اضافہ اور نصرتِ الہی | التوبہ 129-124 | 6. |
| منتخب آیات کی دہرائی | — | 7. | فترآن کی حقانیت اور اہل ایمان | یونس 10-1 | 7. |
| اہم نکات کی وضاحت | — | 8. | انسان کی ناشکری | یونس 20-11 | 8. |
| سرکزی پیغام کی نشست | — | 9. | توحید اور انجہامِ کفر | یونس 30-21 | 9. |
| | | 10. | دلائل قدرت | یونس 40-31 | 10. |
| | | 11. | انکار کرنے والوں کا جواب | یونس 50-41 | 11. |
| | | 12. | قیامت کی وعید | یونس 60-51 | 12. |

| TOPIC | AAAYAT | DAYS | TOPIC | AAAYAT | DAYS |
|----------------------|---------------|------|------------------------|--------------|------|
| Parah's 12 | | | | | |
| بھائیوں کی سازش | یوسف 18-8 | 1. | رزق اور ترآن کا پیسج | هود 13-6 | 1. |
| کنویں سے محل تک | یوسف 29-19 | 2. | ایمان و کفر کا فرق | هود 24-14 | 2. |
| آزمائش اور صبر | یوسف 35-30 | 3. | حضرت نوح کی دعوت | هود 35-25 | 3. |
| قیدیوں کے خواب | یوسف 42-36 | 4. | کشتی اور طوفان | هود 48-36 | 4. |
| بادشاہ کا خواب | یوسف 49-43 | 5. | حضرت ہود اور قوم عاد | هود 60-49 | 5. |
| یوسف کی براءت | یوسف 52-50 | 6. | حضرت صالح اور قوم ثمود | هود 68-61 | 6. |
| منتخب آیات کی دہرائی | — | 7. | حضرت ابراہیم اور فرشتے | هود 76-69 | 7. |
| اہم واقعات کی ترتیب | — | 8. | قوم لوط کا انجام | هود 83-77 | 8. |
| سرکزی پیغام اور ٹیسٹ | — | 9. | حضرت شیب کی دعوت | هود 95-84 | 9. |

| | | | | | |
|--|--|-----|-------------------------|----------------|-----|
| | | 10. | حضرت موسیٰ اور فرعون | ہود 108-96 | 10. |
| | | 11. | استقامت اور انجام امتیں | ہود 123-109 | 11. |
| | | 12. | خوابِ یوسفؑ | یوسف 7-1 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|----------------------|------------------|------|------------------------------------|-----------------|------|
| Parah's 13 | | | | | |
| حضرت ابراہیمؑ کی دعا | ابراہیم 41-35 | 1. | نفس کی کمزوری اور بھائیوں کی واپسی | یوسف 62-53 | 1. |
| قیامت کی ہولناکی | ابراہیم 52-42 | 2. | پیالہ کا واقعہ | یوسف 76-63 | 2. |
| اہم پیغامات کی ترتیب | منتخب آیات | 3. | صبرِ یعقوبؑ | یوسف 87-77 | 3. |
| مکمل دہرائی | — | 4. | معافی اور اقتدار | یوسف 101-88 | 4. |
| اہم نکات و سوالات | — | 5. | قصہ یوسفؑ کا سبق | یوسف 111-102 | 5. |

| | | | | | |
|---------------------------------|---|-----|-----------------------------------|------------------|-----|
| جامع ٹیسٹ اور سرکاری پیغام نشست | — | 6. | قرآن کی حقانیت اور علم الہی | الرعد 10-1 | 6. |
| | | 7. | قدرتِ الہی کے دلائل | الرعد 18-11 | 7. |
| | | 8. | اہل ایمان کی صفات | الرعد 29-19 | 8. |
| | | 9. | رسول کی تسلی اور انجام کفر | الرعد 43-30 | 9. |
| | | 10. | رسالت کا مقصد | ابراہیم 10-1 | 10. |
| | | 11. | انبیاء کی دعوت اور شیطان کا انجام | ابراہیم 22-11 | 11. |
| | | 12. | جنت و جہنم اور نعمتیں | ابراہیم 34-23 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--------------------------------------|------------------|------|--------------------------|----------------|------|
| Parah's 14 | | | | | |
| ایمان کے تقاضے | النحل 119-106 | 1. | قرآن کی حفاظت اور منکرین | الحجر 15-1 | 1. |
| حضرت ابراہیمؑ کا نمونہ اور حسن اخلاق | النحل | 2. | قدرتِ الہی کی نشانیاں | الحجر 25-16 | 2. |

| | | | | | |
|-------------------------------|------------|-----|---------------------------|-----------------|-----|
| | 128-120 | | | | |
| اہم پیغامات کی ترتیب | منتخب آیات | 3. | آدم اور ابلیس کا واقعہ | الحج ر 26-44 | 3. |
| کامل دہرائی | — | 4. | جنت و جہنم کا بیان | الحجر 60-45 | 4. |
| اہم نکات و سوالات | — | 5. | قوم لوط اور اہل حجر | الحج 79-61 | 5. |
| جامع ٹیٹ اور سرکزی پیغام نشست | — | 6. | تسلی رسول اور صبر | الحجر 99-80 | 6. |
| | | 7. | اللہ کی نعمتیں | النحل 15-1 | 7. |
| | | 8. | توحید اور انکار کا انجام | النحل 30-16 | 8. |
| | | 9. | اہل ایمان اور مشرکین | النحل 50-31 | 9. |
| | | 10. | خالص عبادت اور دلائل تدرت | النحل 65-51 | 10. |
| | | 11. | رزق اور شکر | النحل 83-66 | 11. |
| | | 12. | قیامت اور وحی کی صداقت | النحل 105-84 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|-------------------------------|----------------|------|---------------------------------|-------------------|------|
| Parah's 15 | | | | | |
| حضرت موسیٰ اور خضرؑ | الکھف 74-60 | 1. | واقعہ معراج اور فترآن کی ہدایت | الاسراء 10-1 | 1. |
| اہم واقعات کی ترتیب | منتخب آیات | 2. | انسان کی کمزوری اور توحید | الاسراء 22-11 | 2. |
| صبر، علم اور آزمائش | اہم اسباق | 3. | والدین کے حقوق اور معاشرتی اصول | الاسراء 39-23 | 3. |
| مکمل دہرائی | — | 4. | آہنرت اور شرک کی تردید | الاسراء 52-40 | 4. |
| اہم نکات و سوالات | — | 5. | شیطان کا کردار | الاسراء 65-53 | 5. |
| جباع ٹیسٹ اور مرکزی پیغام نشت | — | 6. | اللہ کی قدرت اور انسان | الاسراء 84-66 | 6. |
| | | 7. | روح کا سوال اور ہدایت | الاسراء 97-85 | 7. |
| | | 8. | فترآن کا اعجاز | الاسراء 111-98 | 8. |
| | | 9. | اصحابِ کہف کا آغاز | الکھف 16-1 | 9. |

| | | | | | |
|--|--|-----|-------------------------|----------------|-----|
| | | 10. | اصحابِ کہف کا انجھام | الکہف 31-17 | 10. |
| | | 11. | دو باغوں والا شخص | الکہف 44-32 | 11. |
| | | 12. | دنیا کی حقیقت اور نصیحت | الکہف 59-45 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|---------------------|---------------|------|----------------------------------|-----------------|------|
| Parah's 16 | | | | | |
| حضرت آدمؑ کا واقعہ | طہ 127-115 | 1. | موسیٰؑ و خضرؑ (حکمت کے واقعات) | الکہف 88-75 | 1. |
| نصیحت اور صبر | طہ 135-128 | 2. | ذوالقرنین اور فتنے دجال کی تیاری | الکہف 110-89 | 2. |
| اہم واقعات کی ترتیب | منتخب آیات | 3. | حضرت زکریاؑ اور یحییٰؑ | مریم 15-1 | 3. |
| مکمل دہرائی | — | 4. | حضرت مریمؑ اور عیسیٰؑ | مریم 33-16 | 4. |
| اہم نکات و سوالات | — | 5. | توحید اور حضرت ابراہیمؑ | مریم 50-34 | 5. |

| | | | | | |
|--------------------------------|---|-----|---------------------------------|---------------|-----|
| جہاں ٹیسٹ اور مرکزی پیغام نشست | — | 6. | دیگر انبیاء کا ذکر | مریم 65-51 | 6. |
| | | 7. | قیامت اور رحمت الہی | مریم 98-66 | 7. |
| | | 8. | حضرت موسیٰ کی نبوت | طہ 24-1 | 8. |
| | | 9. | موسیٰ اور فرعون کا مکالمہ | طہ 50-25 | 9. |
| | | 10. | معجزات اور حباد و گروں کا ایساں | طہ 76-51 | 10. |
| | | 11. | بنی اسرائیل اور سامری | طہ 98-77 | 11. |
| | | 12. | فتر آن کی عظمت اور علم | طہ 114-99 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|-------------------------|---------------|------|-------------------------------|-------------------|------|
| Parah's 17 | | | | | |
| احیاء اور ملتِ ابراہیمؑ | الحج 78-71 | 1. | غفلت اور سابقہ قوموں کا انجام | الانبیاء 15-1 | 1. |
| اہم واقعات کی ترتیب | منتخب آیات | 2. | توحید اور فرشتوں کی حقیقت | الانبیاء 29-16 | 2. |

| | | | | | |
|-----|-----------|--------------------------------|---------------------------|--------------------|-----|
| 3. | اہم اسباق | صبر، توکل، جہاد | قدرتِ الہی کی نشانیاں | الانبیاء 41-30 | 3. |
| 4. | — | کھل دہرائی | حضرت ابراہیمؑ اور بت شکنی | الانبیاء 59-42 | 4. |
| 5. | — | اہم نکات و سوالات | نجاتِ ابراہیمؑ اور لوطؑ | الانبیاء 75-60 | 5. |
| 6. | — | جامع نمیٹ اور مرکزی پیغامِ نشت | دیگر انبیاء کے واقعات | الانبیاء 91-76 | 6. |
| 7. | | | امتِ واحدہ اور نصرت | الانبیاء 112-92 | 7. |
| 8. | | | قیامت کا منظر | الحج 16-1 | 8. |
| 9. | | | حج اور شعائر اللہ | الحج 29-17 | 9. |
| 10. | | | قتال کی احکامات اور دفاع | الحج 40-30 | 10. |
| 11. | | | اہل ایمان کی صفات | الحج 55-41 | 11. |
| 12. | | | اللہ کی بادشاہی اور علم | الحج 70-56 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--------------------------------|-------------|------|-------------------------|--------------------|------|
| Parah's 18 | | | | | |
| اہم اسباق کی ترتیب | منتخب آیات | 1. | مومنوں کی صفات | المؤمنون 11-1 | 1. |
| ایمان، حیا، اطاعت | مرکزی نکات | 2. | تخلیق انسان اور قدرت | المؤمنون 22-12 | 2. |
| معاشرتی اصلاح | تطبیقی نشست | 3. | حضرت نوح اور دیگر اقوام | المؤمنون 44-23 | 3. |
| مکمل دہرائی | — | 4. | حضرت موسیٰ اور فرعون | المؤمنون 77-45 | 4. |
| اہم نکات و سوالات | — | 5. | شکر اور آخرت | المؤمنون 98-78 | 5. |
| جامع ٹیسٹ اور سرکزی پیغام نشست | — | 6. | قیامت اور نجات | المؤمنون 118-99 | 6. |
| | | 7. | واقعہ آفک اور پاکدامنی | النور 20-1 | 7. |
| | | 8. | معاشرتی احکام | النور 34-21 | 8. |
| | | 9. | آیت النور اور دلائل | النور 46-35 | 9. |

| | | | | | |
|--|--|-----|-------------------------|------------------|-----|
| | | 10. | اطاعتِ رسول اور آداب | النور 64-47 | 10. |
| | | 11. | قرآن کی حقانیت | الفرقان 10-1 | 11. |
| | | 12. | قیامت اور رسولوں کی سنت | الفرقان 20-11 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|---------------------|------------------------|------|----------------------------|------------------|------|
| Parah's 19 | | | | | |
| ہدیہ اور ملکہ سبا | ہدیہ اور ملکہ سبا | 1. | منکرین کے اعتراضات | الفرقان 34-21 | 1. |
| ایمان اور تکبر | ایمان اور تکبر | 2. | سابقہ اقوام کی مثالیں | الفرقان 44-35 | 2. |
| اہم واقعات کی ترتیب | اہم واقعات کی ترتیب | 3. | قدرتِ الہی اور انجہامِ کفر | الفرقان 60-45 | 3. |
| کمیل دہرائی | کمیل دہرائی | 4. | عبدالرحمن کی صفات | الفرقان 77-61 | 4. |
| اہم نکات و سوالات | اہم نکات و سوالات | 5. | حضرت موسیٰ کی دعوت | الشعراء 20-1 | 5. |

| | | | | | |
|-----|-------------------------------------|-----|-------------------------|--------------------|-----|
| 6. | جامع ٹیسٹ اور مركزی پیغام نشت | 6. | فرعون اور حبادوگر | الشعراء 51-21 | 6. |
| 7. | | 7. | بنی اسرائیل کی نجات | الشعراء 89-52 | 7. |
| 8. | | 8. | حضرت ابراہیمؑ اور قوم | الشعراء 122-90 | 8. |
| 9. | | 9. | حضرت ہودؑ و صالحؑ | الشعراء 159-123 | 9. |
| 10. | | 10. | حضرت لوطؑ و شعیبؑ | الشعراء 191-160 | 10. |
| 11. | | 11. | قرآن کی حقانیت | الشعراء 227-192 | 11. |
| 12. | | 12. | حضرت سلیمانؑ اور چیونٹی | النمل 19-1 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|----------------------|-------------------|------|----------------------------|----------------|------|
| Parah's 20 | | | | | |
| حضرت شعیبؑ اور نصیحت | العنكبوت 45-36 | 1. | قوم لوط اور قیامت کے دلائل | النمل 66-56 | 1. |

| | | | | | |
|-----|------------|--------------------------------|--------------------------|-------------------|-----|
| 2. | منتهب آیات | اہم واقعات کی ترتیب | انکارِ آخرت | النمل 82-67 | 2. |
| 3. | اہم اسباق | صبر، ہجرت، استقامت | حشر اور نصیحت | النمل 93-83 | 3. |
| 4. | — | کھل دہرائی | حضرت موسیٰ کی پیدائش | القصص 14-1 | 4. |
| 5. | — | اہم نکات و سوالات | مدین کا سفر | القصص 28-15 | 5. |
| 6. | — | حجام ٹیٹ اور سرکزی پیغامِ نشست | نبوت اور فرعون | القصص 42-29 | 6. |
| 7. | | | قرآن کی حقانیت | القصص 55-43 | 7. |
| 8. | | | ہدایت اللہ کے ہاتھ میں | القصص 70-56 | 8. |
| 9. | | | دنیا کی حقیقت اور متارون | القصص 88-71 | 9. |
| 10. | | | ایمان اور آزمائش | العنکبوت 11-1 | 10. |
| 11. | | | حضرت ابراہیمؑ | العنکبوت 24-12 | 11. |

| | | | | | |
|--|--|-----|---------|-------------------|-----|
| | | 12. | قوم لوط | العنكبوت 35-25 | 12. |
|--|--|-----|---------|-------------------|-----|

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--|--------------------|------|--|---------------------|------|
| Parah's 21-22 | | | | | |
| ایمان کے بنیادی عفت اند، تخلیق اور وحی کی سچائی | السجدہ (11-1) | 1. | نماز کی اہمیت، اہل کتاب سے گفتگو کے آداب اور منکرین کے اعتراضات کے جوابات | العنكبوت (55-45) | 1. |
| قیامت کے دن منکرین کی حسرت، سچے مومنین کی پہچان اور انجہام کا تقابل | السجدہ (20-12) | 2. | ہجرت، موت کی حقیقت، اللہ پر توکل، رزق کی ذمہ داری اور اللہ کی راہ میں مجاہدہ | العنكبوت (69-56) | 2. |
| دنیاوی مصائب کی حکمت، حضرت موسیٰ کا ذکر اور قیامت کے دن حتمی فیصلے | السجدہ (30-21) | 3. | رومیوں کی شکست اور فتح کی پیشگوئی، اللہ کی قدرت اور مسلمانوں کے لیے تسلی | الروم (13-1) | 3. |
| تقویٰ کی اہمیت اور جہاں رسومات کا خاتمہ | الاحزاب (8-1) | 4. | قیامت کے دن لوگوں کی تقسیم، تسبیح کے اوقات اور کائنات میں اللہ کی نشانیاں | الروم (27-14) | 4. |
| غزوة احزاب (خندق) کے ہولناک حالات اور اللہ کی مدد کا ذکر | الاحزاب (17-9) | 5. | انسانی نفسیات کا تضاد: مصیبت میں پکارنا اور رحمت ملنے پر شکر کرنا | الروم (35-33) | 5. |
| منافقین کا بخیلانہ رویہ، رسول اللہ ﷺ بحیثیت رول ماڈل اور فتح مسبین | الاحزاب (27-18) | 6. | رزق کی تقسیم میں اللہ کی حکمت، رشتہ داروں، مسکینوں اور مسافروں کے حقوق | الروم (38-37) | 6. |
| حندانہ نبوت کے آداب، ازدواج مطہرات کا بلند مقام اور مثالی معاشرے کی صفات | الاحزاب (35-28) | 7. | سود اور زکوٰۃ کا منسرق، انسانی اعمال کے سبب خشکی اور تری میں فساد کا برپا ہونا | الروم (41-39) | 7. |
| معاشرتی اصلاح، تدبیر جہاں رسومات کا خاتمہ اور نبی کریم ﷺ کے مقام نبوت کی وضاحت | الاحزاب (44-36) | 8. | اللہ کی قدرت کی مزید نشانیاں اور رسول اللہ ﷺ کے لیے صبر و استقامت کی تسلی | الروم (60-46) | 8. |

| | | | | |
|-----|---|------------------|---|--------------------|
| 9. | فتراں مجید کی ہدایت، خالق کی عظمت اور کائنات کی تخلیق کا بیان | لقمان (11-1) | نبی کریم ﷺ کے عظیم مناصب اور آپ ﷺ کی خانگی زندگی کے شرعی احکامات | الاحزاب (52-45) |
| 10. | حضرت لقمان کی بیٹے کو نصیحتیں: توحید، والدین کی خدمت اور اخلاقی تربیت | لقمان (20-12) | آدابِ خانہ نبوی، درود و سلام کا حکم اور پردے کی ہدایات (آیتِ حجاب) | الاحزاب (59-53) |
| 11. | انسانوں کی بہت دھرمی، اللہ کے آگے سرتسلیم خم کرنا اور اللہ کے علم کی وسعت | لقمان (27-21) | منافقین کی شرارتوں پر آحسری وار، قیامت کی ہولناکیاں اور عظیم امانت کا ذکر | الاحزاب (73-60) |
| 12. | انسانیت کی حقیقت، اللہ کا علم غیب اور پانچ مخصوص غیبی امور (مفاتیح الغیب) | لقمان (34-28) | حمد باری تعالیٰ اور مسکین قیامت کا رد | سبا (9-1) |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--|-----------------|------|--|----------------|------|
| Parah's 22-23 | | | | | |
| قیامت کا وقوع، اہل جہنم اور اہل دوزخ کا انجام | یس 67-51 | 1. | حضرت داؤد، حضرت سلیمان اور قوم سبا کے عبرت ناک واقعات | سبا (21-10) | 1. |
| توحید، قدرتِ خداوندی اور زندگی کے آحسری حقائق | یس 83-68 | 2. | توحید کے عقلی دلائل، اللہ کی بے نیازی اور مسکین قیامت کے شبہات کا ازالہ | سبا (30-22) | 2. |
| توحید باری تعالیٰ، کائناتی نظام اور قیامت کی حقیقت | الصفات 21-1 | 3. | میدانِ حشر کا منظر، گمراہ قائدین اور پیروکاروں کی ایک دوسرے پر الزام تراشی | سبا (42-31) | 3. |
| نسلوں کا حشر، باہمی جھگڑے اور اہل جنت کی نعمتیں | الصفات 50-22 | 4. | حق کے سامنے ہٹ دھرمی، نبی کریم ﷺ کی صداقت اور آحسرت میں مسکین کی حسرت | سبا (54-43) | 4. |

| | | | | | |
|---|-------------------|-----|--|-------------------|-----|
| جنت کے ساتھیوں کا تذکرہ اور جسم کا درخت 'زقوم' | الصفات 74-51 | 5. | حائق کائنات کی عظمت اور شیطان سے دشمنی | الفاطر (7-1) | 5. |
| انبیاء کرام کے واقعات اور متربانی اسماعیلؑ | الصفات 148-75 | 6. | انسانی نفسیات، اللہ کی قدرت کے مظاہر اور معبودانِ باطل کی بے بسی | الفاطر (14-8) | 6. |
| مشرکین کے عنطاعت اللہ کی تردید، حق کی فتح اور اللہ کی تسبیح | الصفات 182-149 | 7. | اللہ کی بے نیازی اور لوگوں کے مختلف درجات | الفاطر (26-15) | 7. |
| منکرین حق کا تکبر اور سابقہ قوموں کا انجھام | ص 14-1 | 8. | کائنات کی رنگینیاں، علم کی اہمیت اور ایمان والوں کے انعامات | الفاطر (37-27) | 8. |
| حضرت داؤد علیہ السلام کی خلافت اور آزمائش | ص 26-15 | 9. | اللہ کا علم غیب، مشرکین کی بے عظمتی اور انسانوں کو دی گئی اللہ کی مہلت | الفاطر (45-38) | 9. |
| کائنات کا مقصد اور حضرت سلیمان علیہ السلام کا تذکرہ | ص 40-27 | 10. | وحی کی حقانیت، منکرین کا انجام اور اصحاب القریہ کا قصہ | یس 19-1 | 10. |
| حضرت ایوب علیہ السلام کا صبر اور آخرت کے منظر | ص 64-41 | 11. | وحی کی حقانیت، منکرین کا انجام اور اصحاب القریہ کا قصہ | یس 19-1 | 11. |
| توحید کا اعلان اور تخلیق آدمؑ و ابلیس کا قصہ | ص 88-65 | 12. | مرد مومن کی دعوت اور اللہ کی قدرت کی نشانیاں | یس 35-20 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|---|--------------------|------|--|-----------------|------|
| Parah's 23-24 | | | | | |
| آغازِ سورت اور دعوتِ حق | حم السجدہ 18-1 | 1. | دینِ حنّالہ کی دعوت، رات اور دن کا الٹ پھیر، شکر گزاری | الزمر 10-1 | 1. |
| قیامت کے دن اعضاء کی گواہی | حم السجدہ 32-19 | 2. | اخلاص کا حکم، خسارہ پانے والوں کا حال، اتباعِ احسن | الزمر 22-11 | 2. |
| دعوتِ الی اللہ اور اخلاقِ حسنہ | حم السجدہ 46-33 | 3. | شرحِ صدر اور مثالیں | الزمر 31-23 | 3. |
| (تکمیلِ سورت) آفاق و انفس میں نشانیاں | حم السجدہ 54-47 | 4. | اللہ کافی ہے | الزمر 41-32 | 4. |
| اہم واقعات کی ترتیب (موسیٰ، فرعون، مردِ مومن) | منتخب آیات | 5. | روح کا متبعض ہونا | الزمر 52-42 | 5. |
| توبہ کی وسعت، دعوتِ حق اور استقامت | اہم اسباق | 6. | توبہ کی وسعت | الزمر 61-53 | 6. |
| کمل دہرائی | — | 7. | قیامت اور جنت | الزمر 75-62 | 7. |
| اہم نکات و سوالات | — | 8. | عرشِ اٹھانے والے فرشتے | المؤمن 12-1 | 8. |
| جامع ٹیسٹ اور مرکزی پیغامِ نشست | — | 9. | قیامت کا خوف، قصہ حضرت موسیٰ اور فرعون | المؤمن 25-13 | 9. |
| | | 10. | قصہ حضرت موسیٰ اور فرعون، مردِ مومن کی دعوت | المؤمن | 10. |

| | | | | | |
|--|--|-----|---|-----------------|-----|
| | | | | 37-26 | |
| | | 11. | فسرعون اور آل فسرعون کا انجہام دنیا، مطیع اور آل مطیع کا مکالمہ | المؤمن 55-38 | 11. |
| | | 12. | اللہ کی نشانیاں اور انجہام | المؤمن 85-56 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--|------------------|------|---|-----------------|------|
| Parah's 25-26 (half) | | | | | |
| قیامت کا منظر اور اللہ کی بڑائی | الجاثیہ 37-27 | 1. | وحی کی حقیقت اور اللہ کی قدرت | الشوری 12-1 | 1. |
| اہم واقعات کی ترتیب (موسیٰ، عیسیٰ، فسرعون) | منتخب آیات | 2. | دین انبیاء کی وحدت اور رزق کا نظام | الشوری 23-13 | 2. |
| توبہ، توحید اور استقامت | اہم اسباق | 3. | توبہ کی مقبولیت اور اللہ کی نشانیاں | الشوری 35-24 | 3. |
| تخلیق کائنات اور توحید کی دعوت | الاحقاف 14-1 | 4. | مومنین کے اوصاف اور وحی کی اقسام | الشوری 53-36 | 4. |
| والدین کے ساتھ حسن سلوک اور نیکی کا صلہ | الاحقاف 20-15 | 5. | فسرآن کی عظمت اور مشرکین کے اعتراضات | الزخرف 25-1 | 5. |
| حضرت ہود علیہ السلام اور قوم عاد کا واقعہ | الاحقاف 28-21 | 6. | حضرت ابراہیم کا ذکر، انہوں کے مراتب میں فسر | الزخرف 45-26 | 6. |

| | | | | | |
|--|-------------------|-----|---|------------------|-----|
| جنات کا مترآن سننا، صبر کی تلقین، اولوالعزم انبیاء | الاحقاف 35-29 | 7. | حضرت موسیٰ اور حضرت عیسیٰ کا تذکرہ | الزخرف 65-46 | 7. |
| اعمال کی مقبولیت اور حق و باطل کا فرق | محمد 11-1 (ﷺ) | 8. | جنت کی نعمتیں اور انجہام کفر | الزخرف 89-66 | 8. |
| جنت کی نہروں کا ذکر، منافقین کی حالت | محمد 23-12 (ﷺ) | 9. | نزولِ مترآن، شبِ مبارک اور قومِ منرعون کا انجہام | الدخان 29-1 | 9. |
| تدبرِ مترآن اور اللہ کی راہ میں خرچ کرنا | محمد 38-24 (ﷺ) | 10. | بنی اسرائیل، قیامت کی ہولناکی اور جنتیوں کا انعام | الدخان 59-30 | 10. |
| فتحِ مسبین (صلحِ حدیبیہ) اور بیعتِ رضوان | الفتح 10-1 | 11. | کائنات کی نشانیاں اور منکرین کا رویہ | الجاثیہ 15-1 | 11. |
| حجام ٹیسٹ، دہرائی اور سرکزی پیغامِ نشست | | 12. | بنی اسرائیل پر فضل اور شریعت کی اتباع | الجاثیہ 26-16 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--------------------------------------|-------------|------|--|---------------|------|
| Parah's 26-27 | | | | | |
| حبسِ اوسزا اور اللہ کی قدرت | النجم 62-31 | 1. | آدابِ بارگاہِ رسالت ﷺ اور اصلاحِ معاشرہ | الحجرات 10-1 | 1. |
| شق القمر کا معجزہ اور قومِ نوح و عاد | القمر 22-1 | 2. | اخلاقی برائیوں (غیبت، تمسخر) سے ممانعت | الحجرات 18-11 | 2. |
| قومِ ثمود، لوط اور منرعون کا انجہام | القمر 55-23 | 3. | بعث بعد الموت (دوبارہ جی اٹھنے) پر دلائل | ق 15-1 | 3. |
| اللہ کی نعمتیں اور کائنات کا توازن | الرحمن 25-1 | 4. | اللہ کا رگِ حبان سے مترب ہونا، کراماتِ تبیین کا ریکارڈ | ق 30-16 | 4. |

| | | | | | |
|-----|---|----------------|-----|---------------|--|
| 5. | جنت کی خوشخبری اور تسبیح واستغفار | ق 31-45 | 5. | الرحمن 26-45 | فنا و بقا اور مجرموں کا انجام |
| 6. | قسموں کے ذریعے قیامت کی تاکید، رزق کا وعدہ | الذاریات 1-23 | 6. | الرحمن 46-78 | جنتیوں کے باغات اور حوریں |
| 7. | حضرت ابراہیمؑ کے مہمانوں اور قوم لوط کا قصہ | الذاریات 24-37 | 7. | الواقعه 1-38 | قیامت کی آمد اور "سابقون" و "اصحاب الیمین" |
| 8. | حضرت موسیٰؑ، قوم عاد و ثمود، اللہ کی قدرت | الذاریات 38-51 | 8. | الواقعه 39-74 | "اصحاب الشمال" کا حال اور تخلیق انسانی |
| 9. | تخلیق جن و انس کا مقصد (عبادت) | الذاریات 52-60 | 9. | الواقعه 75-96 | قرآن کی عظمت اور نزع کا عالم |
| 10. | کوہ طور کی قسم اور متقیوں کا انعام | الطور 1-28 | 10. | الحديد 1-15 | اللہ کی تسبیح، صفت کمال اور نور ایمان |
| 11. | منکرین کے اعتراضات اور تسبیح | الطور 29-49 | 11. | الحديد 16-29 | دنیا کی حقیقت اور انفاق فی سبیل اللہ |
| 12. | معراج کا واقعہ اور وحی کی سچائی | النجم 1-30 | 12. | | جامع ٹیسٹ، دہرائی اور سرگزئی پیغامِ نشت |

| TOPIC | AAYAT | DAYS | TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--------------------------------|----------------|------|---|------------------|------|
| Parah's 28-29 | | | | | |
| مجرموں کا انجام اور صبرِ یونسؑ | القلم 34-52 | 1. | دشمنانِ دین سے تعلقات اور ہجرت کرنے والی خواتین | المجادلہ 1-13 | 1. |
| قیامت کی حقیقت اور نام اعمال | الحاقہ | 2. | اللہ کی راہ میں صف بندی اور بعثتِ نبوی ﷺ | المجادلہ | 2. |

| | | | | | |
|---|-------------------------|-----|--|-------------------------------------|-----|
| | 52-1 (مکمل) | | | 22-14 | |
| عذاب کی جلدی اور انسانی فطرت | المعارج 1-44 (مکمل) | 3. | نماز جمعہ کے آداب اور منافقت سے بچاؤ | الحشر 10-1 | 3. |
| حضرت نوح علیہ السلام کی ساڑھے نو سو سالہ دعوت | نوح 28-1 (مکمل) | 4. | حسرتوں کا دوا اور نفس کی کنجوسی | الحشر 24-11 | 4. |
| جنات کا ایمان لانا اور توحید | الجن 28-1 (مکمل) | 5. | حساندانی قوانین اور تقویٰ کے ثمرات | المتحنہ 13-1 | 5. |
| قیام لیل (تجدد) اور ترسیل قرآن | المزمل 20-1 (مکمل) | 6. | گھروں کی اصلاح اور نیک خواتین کی مثالیں | الصف (مکمل) + الجمعة (4-1) | 6. |
| تبلیغ کا حکم اور جہنم کے چوکیدار | المدثر 56-1 (مکمل) | 7. | سورۃ الحبائل اور الممتحنہ کی دہرائی | الجمعة (5-11) + المنافقون (مکمل) | 7. |
| قیامت کی گھڑی اور نزع کا عالم | القیامة 40-1 (مکمل) | 8. | سورۃ الصف اور التحریم کی دہرائی | التغابن (مکمل) | 8. |
| انسان کی تخلیق اور جنت کی نعمتیں | الانسان 31-1 (مکمل) | 9. | معاشرتی اور حساندانی احکامات (طلاق، تحریم) | الطلاق (مکمل) | 9. |
| قیامت کی ہولناکیاں اور جھٹلانے والوں کا انجام | المرسلات 50-1 (مکمل) | 10. | اہم واقعات کی ترتیب (یہود کا احراج، ہجرت) | التحریم (مکمل) | 10. |
| اہم نکات و سوالات | | 11. | کائنات کی تخلیق اور عذابِ قبر سے نجات | الملک 30-1 | 11. |
| حجرات ٹیسٹ اور مرکزی پیغامِ نشت | | 12. | حسن اخلاقِ نبوی ﷺ اور باغ والوں کا قصہ | القلم 33-1 | 12. |

| TOPIC | AAYAT | DAYS |
|--|-----------------------|------|
| Parah's 30 | | |
| قیامت کی بڑی خبر اور مندرشتوں کا نظام | النباۃ + النازعات | 1. |
| دعوتِ حق اور کائنات کا سپینا حبانہ | عبس + التکویر | 2. |
| آسمان کا پھٹنا اور ناپ تول میں کمی | الانفطار + المطففین | 3. |
| اعمال نامے اور خندق والوں کا قصہ | الانشقاق + السبروج | 4. |
| انسان کی تخلیق اور تسبیح باری تعالیٰ | الطارق + الاعلیٰ | 5. |
| قیامت کی ہولناکیاں اور قوم عاد و ثمود | العنکبوت + الفجر | 6. |
| ہمت کی گھٹائی، تزکیہ نفس اور سخاوت | البلد + الشمس + الليل | 7. |
| نبی ﷺ کی تسلی، شرح صدر اور انسان کی فضیلت | الضحیٰ سے التین تک | 8. |
| پہلی وحی، شبِ قدر اور واضح دلیل | العلق سے البینہ تک | 9. |
| زمین کا ہلنا، گھوڑوں کی دوڑ اور کھڑکانے والی آفت | الزلزال سے القارعہ تک | 10. |
| مال کی ہوس، زمانے کی قسم، صبر اور توحید | الیکاث سے الکافرون تک | 11. |
| اللہ کی مدد، اخلاص (قتل ہو اللہ) اور پناہ مانگنا | النصر سے الناس تک | 12. |